DELHI PUBLIC SCHOOL, CHANDIGARH

Summative Assessment-I (2014-15)
Class : X, Subject : Hindi (Sample Paper)

समय – 3 घंटे | पूर्णांक – 90

निर्देश :–

(1) इस प्रष्न पत्र में चार खंड हैं–1 , 2, 3, और 4

(2) सभी खंडों के उत्तर देना अनिवार्य हैं

(3) ष्ाब्द सीमा के अनुसार उत्तर दीजिएं

(4) सभी प्रष्नों के उत्तर क्रमानुसार दीजिएं

[kM&1

¼vifBr cks/k½

(अ) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः– (1x12=12)

कहते हैं–पुस्तकें मनुश्य की सबसे अच्छी मित्र होती हैं पुस्तकें ज्ञानार्जन करने, मार्गदर्ष्ान करने एवं परामर्ष्ा देने में विषेश भूमिका निभाती हैं पुस्तकें मनुश्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, नैतिक, चारित्रिक, व्यावसायिक एवं राजनीतिक विकास में सहायक होती हैं लोकमान्य तिलक का कथन है, ''मैं नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करूँगा, क्योंकि इनमें वह ष्ाक्ति है कि जहाँ ये होंगी, वहाँ स्वतः स्वर्ग बन जाएगां '' लोकमान्य तिलक की यह बात अक्षरष्ाः सत्य है कि पुस्तकें सुख और आनंद का भंडार होती हैं जो लोग अच्छी पुस्तकें नहीं पढ़ते या पुस्तकें पढ़ने में जिनकी रुचि नहीं होती, वे जीवन की बहुत सी सच्चाइयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं महात्मा गांधी ने पुस्तकें पढ़ने से होने वाले लाभ को देखते हुए ही एक बार कहा था, ''पुराना कोट पहनो तथा नई पुस्तक खरीदों '' अच्छी पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि हम इससे जीवन में आने वाली कठिन परिस्थितियों का सामना करने की ष्ाक्ति जुटा पाते हैं कठिन से कठिन समय में भी पुस्तकें हमारा उचित मार्गदर्ष्ान करती हैं जिन लोगों को पुस्तकें पढ़ने का ष्ाौक होता है, वे लोग अपने खाली समय का सदुपयोग पुस्तकों के जरिए ज्ञानार्जन के लिए करते हैं

पुस्तकें पढ़ने की रुचि का विकास बचपन से ही होने लगता हैं यदि बाल्याकाल में अच्छी पुस्तकें उपलब्ध नहीं होतीं, तो भविश्य में उनमें इस रुचि का विकास नहीं हो पातां इसलिए जो लोग चाहते हैं कि उनके बच्चों में पुस्तकें पढ़ने की अच्छी आदत का विकास हो, वे अपने बच्चों को समय–समय पर अच्छी पुस्तकें लाकर देते रहते हैं बच्चों के लिए पुस्तकों के महत्त्व को देखते हुए प्राचीन काल से ही बाल पुस्तकों के लेखन पर ध्यान दिया जाता रहा हैं 'पंचतंत्र' एवं 'हितोपदेष' इसके उल्लेखनीय उदाहरण हैं

1. मनुश्य की सबसे अच्छी मित्र किसे कहा गया है ?
2. मनुश्य के जीवन में पुस्तकें क्या भूमिका निभाती हैं ?
3. लोकमान्य तिलक का क्या कथन है ?
4. पुस्तकें पढ़ने की रुचि का विकास कब से होने लगता है ?
5. ''पुराना कोट पहनो तथा नई पुस्तक खरीदों '' किसका कथन है?

6. जीवन की सच्चाइयों से कौन अनभिज्ञ रह जाता है ?

7. बच्चों के लिए प्राचीन काल में लिखी गई पुस्तकों के नाम लिखिए ?

8. पुस्तकें किसका भंडार हैं ?

9. बच्चों में पुस्तकें पढ़ने की आदत का विकास कैसे किया जा सकता है ?

10. प्रस्तुत गद्यांष का उपयुक्त षीर्शक लिखिएं

11. 'लाभ' षब्द का विलोम षब्द लिखिएं

12. 'बचपन' षब्द में प्रयुक्त प्रत्यय लिखिएं

(ब) निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः– (1x8=8)

मैंने छुटपन में छिपकर पैसे बोए थे
सोचा था, पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे
रुपयों की फलदार मधुर फसलें खनकेंगीं
और फल–फूलकर मैं मोटा सेठ बनूँगा!
पर बंजर धरती में एक न अंकुर फूटा
वंध्या धरती ने न एक भी पैसा उगला!
सपने जाने कहाँ मिटे, कब धूल हो गए!
मैं हताष हो, बाट जोहता रहा दिनों तक
बाल कल्पना के अपलक पाँवड़े बिछाकर!
मैं अबोध था, मैंने गलत बीज बोए थे
ममता को रोपा था, तृश्णा को सींचा था!
अर्धषाती हहराती निकल गई है तब से !
इक दिन कजरारे बादल बरसे धरती पर
मैंने, कौतूहल वष आँगन के कोने की
गीली तह को यों ही उंगली से सहलाकर
बीज सेम के दबा दिए मिट्टी के नीचे!
भू के अँचल में मणि–माणिक बाँध दिए हों
ओह, समय पर उनमें कितनी फलियाँ फूटीं!
कितनी सारी फलियाँ, कितनी प्यारी फलियाँ
आह इतनी फलियाँ टूटीं, जाड़ों भर खाईं,
सुबह–षाम वे घर–घर पकीं, पड़ोस पास के
जाने–अनजाने सब लोगों में बँटवाईं,
बंधु बांधवों, मित्रों, अभ्यागत मँगतों ने
जी भर–भर दिन रात मुहल्ले भर ने खाईं !

कितनी सारी फलियाँ, कितनी प्यारी फलियाँ
यह धरती कितना देती है! धरती माता
कितना देती है अपने प्यारे पुत्रों को!
नहीं समझ पाया था मैं उसके महत्त्व को!
बचपन में, छिः स्वार्थ लोभवष पैसे बोकर !
रत्न प्रसविनी है वसुधा, अब समझ सका हूँ

1. कवि ने कब पैसे बोए थे ?
2. पैसे बोकर कवि ने क्या सोचा था ?
3. पैसों के पेड़ न उगने पर कवि ने धरती को क्या कहा ?
4. 'सपने धूल होना' मुहावरे का अर्थ लिखिएं
5. कवि ने सेम का बीज कहाँ दबा दिया ?
6. सेम के बीज बोने पर क्या हुआ?
7. सेम की फलियाँ किस–किसको बाँटी गईं ?
8. 'रत्न प्रसविनी' किसे कहा गया है ?

[kM & 2

¼0;kogkfjd 0;kdj.k½

(क) 1. ष्ाब्द और पद में अंतर बताइएं निर्देष्ानुसार कीजिएः– (1)

2. मैंने संतरा खायां रेखांकित अंष ष्ाब्द है या पद?क्यों? (1)

(ख) निर्देष्ानुसार वाक्य रूपांतरित कीजिएः–

1. जब सभा समाप्त हुई तब सभी चले गएं (संयुक्त वाक्य) (1)
2. प्रष्न पत्र कठिन थां दोनों ने हल कर दियां (मिश्र वाक्य) (1)
3 जैसी करनी वैसी भरनी (रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए) (1)

(ग) समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम बताइएं (4)

चंद्रमुख, करकमल, जेबखर्च, नीलगाय

(घ) निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिएं

1. बाट जोहना (1)
2. आँखें फोड़ना (1)

(ङ) निम्नलिखित अषुद्ध वाक्यों को ष्ाुद्ध कीजिएं (4)

1. ख्याति उसकी देष भर में फैली हैं
2. वे लोग मीटिंग में आएगां
3. एक गीतों की किताब ला दीजिएं
4. मेले में बच्चा खो गईं

[kM 3

¼IkkB~;&iqLrd½

(अ) 1. निम्नलिखित प्रष्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए:–

(क) 'डायरी का एक पन्ना' अध्याय द्वारा लेखक ने क्या संदेष दिया है? (2)

(ख) निकोबार के लोग ततॉंरा को क्यों पसन्द करते थे? (2)

(ग) बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है? (1)

2. 'तीसरी कसम' पाठ के आधार पर षैलेन्द्र की प्रमुख विषेश्ताएँ लिखिएं (5)

अथवा

व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेष देती हैं पाठ'तीसरी कसम' के आधार पर आषय स्पश्ट कीजिएं

3 निम्नलिखित गद्यांष को पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर दीजिए :–

आदमी और जो कुकर्म चाहे करे, पर अभिमान न करे, इतराये नहीं अभिमान किया और दीन–दुनिया दोनों से गयां षैतान का हाल भी पढ़ा ही होगां उसे यह अभिमान हुआ था कि ईष्वर का उससे बढ़कर सच्चा भक्त कोई है ही नहीं अंत में यह हुआ कि स्वर्ग से नरक में ढकेल दिया गयां षाहेरुम ने भी अहंकार किया थां भीख माँग– माँगकर मर गयां तुमने तो अभी केवल एक दरजा पास किया है और अभी से तुम्हारा सिर फिर गया, तब तो तुम आगे पढ़ चुकें यह समझ लो कि तुम अपनी मेहनत से नहीं पास हुए , अंधे के हाथ बटेर लग गईं मगर बटेर केवल एक बार हाथ लगती है, बार–बार नहीं लग सकती हैं कभी– कभी गुल्ली –डंडे में भी अंधा–चोट निषाना पड़ जाता हैं इससे कोई सफल खिलाड़ी नहीं हो जाता हैं सफल खिलाड़ी वही है, जिसका कोई निषाना खाली न जाएं

प्रश्न 1 बड़े भाई साहब छोटे भाई को इतनी खरी–खोटी क्यों सुनाते हैं? (2)

प्रश्न 2 आदमी को क्या नहीं करना चाहिए और क्यों? (2)

प्रश्न 3 बड़े भाई साहब के अनुसार सफल खिलाड़ी किसे कहा जा सकता हैं? (1)

अथवा

ऐसा नहीं है कि षैलेंद्र बीस सालों तक इंडस्ट्री में रहते हुए भी वहाँ के तौर–तरीकों से नावाकिफ थे, परंतु उनमें उलझ कर वे अपनी आदमियत नहीं खो सके थें 'श्री 420' का एक लोकप्रिय गीत है–'प्यार हुआ,इकरार हुआ है,प्यार से क्यों डरता हे दिलं ' इसके अंतरे की एक पंक्ति–'रातों दसों दिषाओं से कहेंगी अपनी कहानियाँ' पर संगीतकार जयकिषन ने आपत्ति कीं उनका ख्याल था कि दर्षक'चार दिषाएँ' तो समझ सकते हैं–'दस दिषाएँ'नहीं लेकिन षैलेंद परिवर्तन के लिए तैयार नहीं हुएं उनका दृढ़ मंतव्य था कि दर्षकों की रुचि की आड़ में हमें उथलेपन को उन पर नहीं थोपना नहीं चाहीएं कलाकार का यह कर्त्तव्य भी है कि वह उपभोक्ता की रुचियों का परिश्कार करने का प्रयत्न करें

प्रश्न 1 वर्शों तक फ़िल्म इंडस्ट्री से जुड़े रहने पर भी षैलेंद्र क्या नहीं भूल सके? (2)

प्रश्न 2 संगीतकार जयकिषन ने क्या आपत्ति की थी और क्यों की थी ? (2)

प्रश्न 3 षैलेंद्र के अनुसार एक कलाकार का क्या कर्त्तव्य होना चाहिए? (1)

(ब) 4. निम्नलिखित काव्याँष को पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर दीजिएं (5)

कंपनी बाग के मुहाने पर
धर रखी गई है यह 1857 की तोप
इसकी होती है बड़ी सम्हाल, विरासत में मिले
कंपनी बाग की तरह
साल में चमकाई जाती है दो बारं
सुबह–षाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत से सैलानी
उन्हें बताती है यह तोप
कि मैं बड़ी जबर
उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे– अच्छे सूरमाओं के धज्जे
अपने ज़माने में

(1) तोप का प्रयोग कब हुआ?

(2) कवि ने तोप की किस विषेशता की चर्चा की है?

(3) तोप की सम्हाल कैसे की जाती है?

(4) तोप बच्चों के किस काम आती है?

(5) कविता में प्रयुक्त 'सूरमा'षब्द किसका प्रतीक है?

अथवा

उड़ गया ,अचानक लो,भूधर
फड़का अपार पारद के पर!
रव–षेश रह गए निर्झर!
है टूट पड़ा भू पर अंबर!

(1) प्रस्तुत पंक्तियों में प्रकृति में आए किस परिवर्तन की बात की चर्चा कवि ने की है?

(2) निर्झर के स्वर ही षेश क्यों रह गए?

(3) 'भूधर 'षब्द का क्या अर्थ है?

(4) है टूट पड़ा भू पर अंबर पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

(5) प्रस्तुत पंक्तियों में किस ऋतु का वर्णन है?

प्र.5. पावस ऋतु आते ही प्रकृति में क्या–क्या परिवर्तन आते हैं? किन्हीं दो दृष्यों का वर्णन कविता के आधर पर कीजिएं (5)

प्र.6. हरिहर काका की सहनषक्ति ने कब जवाब दे दिया? (5)

अथवा

'हरिहर काका के लिए उनकी ज़मीन जी का जंजाल कैसे बन गई?

(क) दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 ष्ाब्दों में किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखें– (5)

(1) कमरतोड़ महँगाई

- महँगाई का स्वरूप
- महँगाई कहाँ–कहाँ
- महँगाई का कारण
- दष्ा के धन का गलत उपयोग
- निश्कर्श

(2) किसी प्राकृतिक दृष्य का वर्णन

- प्रकृति परमात्मा की देन
- विभिन्न ऋतुएँ
- प्रकृति की सुंदरता
- सूर्य उदय और सूर्य अस्त का दृष्य
- प्राकृतिक दृष्यों का सौंदर्य अनंत
- निश्कर्श

(3) आलस किया –सफलता गई

- आलस क्या है?
- आलस की बुराइयाँ
- सफलता के लिए क्या करें

(ख) अपनी कक्षा अध्यापिका के प्रति किए गए दुर्व्यवहार पर क्षमा माँगते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्या जी को पत्र लिखिएं

अथवा

आपके मोहल्ले में आए दिन चोरियाँ हो रही हैं उनकी रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को गष्त बढ़ाने के लिए पत्र लिखिएं

(ग) आतंकवाद की बढ.ती घटनाओं के विश्य में दो मित्रों के बीच हुए संवाद लिखिएं (5)

(घ) आप कक्षा ग्यारह की छात्रा हैं आपकी भरतनाट्यम की पोष्ाक गुम हो गई हैं आप अपनी कक्षा बतातें हुए स्कूल नोटिस बोर्ड के लिए सूचना–पत्र तैयार कीजिएं (20–30 ष्ाब्दों में) (5)

(ङ) बाज़ार में नया पेय आया है'ताज़गी' इसके लिए विज्ञापन तैयार कीजिएं (5)